## ''जैव ईंधन पायलट प्रर्दषन परियोजना''

## वित्तीय वर्ष 2006–07

## ग्रामः गारडीह, प्रखण्डः नावाडीह, जिलाः बोकारो

**जैव ईंधनः**

विष्व में सर्वप्रथम ईंधन चलित इंजन, रूडोल्फ डीजल ने मूंगफली के तेल से चलाया था। बाद में जीवाष्म ईंधन (जैसे– डीजल, पेट्रोल, कोयला आदि) का उपयोग प्रचलित हो गया। वर्त्तमान युग में जीवाष्म ईंधन के अधिक उपयोग के कारण प्रदूषण की समस्या का सामना करना पड़ रहा है एवं डीजल, पेट्रोल, कोयला के भंडारण धीरे–धीरे समाप्त होता जा रहा है। इस समस्या के मद्देनजर अक्षय ऊर्जा का उपयोग प्रचलित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जैविक ईंधन से इंजन चलाने से प्रदूषण 70 प्रतिषत तक कम किया जा सकता है। जैव ईंधन तेल के उपयोग को बढ़ावा देने से स्थानीय निवासियों विषेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, उन्हें बिजली उपलब्ध कराने के अलावा स्थानीय नियोजन और आय स्रोत बढ़ाने में मदद मिलेगी। क्योंकि जैव ईंधन अक्षय ऊर्जा स्रोतों में से एक है।

**परियोजनाः**

जैव ईंधन पायलट प्रर्दषन परियोजना के अन्तर्गत ग्रामः गारडीह, प्रखण्डः नावाडीह, जिलाः बोकारो में 5 के0 भी0 ए0 क्षमता का विद्युत उत्पादन के लिए बायो ईंधन चलित जेनेरेटर सेट अधिष्ठापन किया गया है। इस गाँव में सभी ग्रामीण अनुसूचित जनजाति के हैं। उक्त गाँव में 100 घर हैं। सभी घरों को विद्युत कनेक्षन दिया गया है। इस कार्य के लिए 3 कि0 मी0 लम्बी एल0 टी0 लाईन अधिष्ठापित की गई है। सभी घरों में हाउस वायरिंग कर सर्विस कनेक्षन दिया गया है। प्रत्येक घर में 2 सी0 एफ0 एल0

लगाये गये हैं। कुल 20 (बीस) सोलर स्ट्रीट लाईट गाँव की सड़कों पर लगाया गया है।

<u>ग्राम ऊर्जा समितिः</u>

गारडीह ग्राम में ऊर्जा समिति का गठन किया गया है। श्री उमेद गंजू इस समिति के अध्यक्ष है। ऊर्जा समिति के देख–रेख में विद्युतीकरण कार्य सम्पन्न किया गया है।

<u>पावर प्लांटः</u>

करंज बीज से जैविक तेल प्राप्त करने के लिए 50 किलो ग्राम बीज प्रति घंटा क्रषिंग क्षमता का संयंत्र अधिष्ठापित किया गया है। इस संयंत्र से जैविक तेल प्राप्त किया जाता है। ग्राम गारडीह एवं आस–पास के गाँवों में इस बीज का पेड़ बहुतायत में उपलब्ध है। जैविक तेल द्वारा 5 के0 भी0 ए0 क्षमता का जेनेरेटर सेट चलाया जाता है।

<u>परियोजना व्ययः</u>

इस परियोजना पर कुल व्यय रु0 15,59,000/– (रु0 पन्द्रह लाख उनसठ हजार) मात्र है। केन्द्र सरकार से परियोजना की कुल राषि अनुदान के रूप में स्वीकृत है।

बीज का संग्रह ग्रामीणों द्वारा किया जाएगा। इस कार्य हेतु ग्रामीणों को बीज का मूल्य भुगतान किया जाएगा। बीज संग्रह करने हेतु भंडारगृह का निर्माण कराया गया है।